मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 02 अगस्त 2018

हिमालय, कराकोरम और तिब्बत की बदलती भूगर्भीय संरचना पर जामिया मिल्लिया में विख्यात भू–वैज्ञानिकों की व्याख्यान माला

ब्रिटेन के आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के विश्व विख्यात भू–वैज्ञानिक प्रोफेसर माइकल पी. सरेल ने आज जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'भारत–एशिया घर्षण एवं हिमालय, कराकोरम एवं तिब्बत की बदलती टेक्टोनिक :संरचनाः प्रभाव के बारे में गहराई से समझाया। इसका आयोजन जेएमआई के भूगोल विभाग की ओर से किया गया था।

इस व्याख्यान माला की अध्यक्षता जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने की, जो कि खुद प्रतिष्ठित भारतीय भू– वैज्ञानिक हैं। प्रो सरेल ने हिमालय, कराकोरम और तिब्बत में अपनी कई भूगर्भीय क्षेतों की जांच से सबंधित 100 से अधिक स्लाइडों के जरिए अपने संबोधन को बहुत रोचक बना दिया। हिमालय और आस पास की भूगर्भिय संरचना में लगातार हो रहे बदलावों की नजीदीकी से अध्ययन करने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों में प्रो सरेल शामिल हैं। वह दशकों से भारत से जुड़ी भूगर्भीय संरचना में हो रहे बदलवों का विशेष अध्ययन कर रहे हैं।

उन्होंने इस बारे में 130 से अधिक शोध पत्र पेश किए हैं। वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2014 में प्रकाशित ''कोलाइडिंग कॉन्टिनेंटसः अ जियोलॉजिकल एक्सपोलेरेशन ऑफ द हिमालय कराकोरम एंड तिब्बत'' संबंधी विख्यात भूवैज्ञानिक पुस्तक के लेखक भी हैं।

प्रो सरेल ने माउंट एवरेस्ट क्षेत्र ,नेपाल और दक्षिण तिब्बत की बदलती संरचना के बारे में विस्तार से समझाया।

प्रो अहमद ने कहा कि वह प्रो सरेल को जेएमआई आमंत्रित करके बहुत ही प्रसन्न हैं। उन्होंने अपनी दोस्ती के उन दिनों को भी याद किया जब वे

दोनों लीसेस्टर विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टरेट फैलोशिप पर एक साथ काम कर रहे थे। उन्होंनें उम्मीद जताई कि प्रो सरेल का अनूठा अध्ययन जेएमआई के भूगोल के छात्रों को हिमालय क्षेत्र में हो रहे इस दिलचस्प संरचनात्मक बदलावों को समझने के लिए प्रेरित करेगा।

भारत में 2020 में होने वाली 36 वीं इंटरनेशलन जियोलॉजिकल कांग्रेस की वैज्ञानिक प्रोग्रामिंग कमेटी के अध्यक्ष प्रो अहमद ने बाताया कि हर चार साल में होने वाली इस कांग्रेस में व्याख्यान माला के लिए आमंत्रित किए जाने वाले प्रो सरेल पहले भू वैज्ञानिक थे।

व्याख्यान माला में एमआईटी, बाटसन के डा ओलिवर स्टिमपेल, आईजीसी के महासचिव डा पी आर गुलाम ने भी अपने विचार रखे।

डा लुबना सिद्दीक ने व्याख्यान माला में हिस्सा लेने वाले विद्वानों से परिचय कराया और भूगोल विभाग के प्रमुख प्रो मसूद अहसन सिद्दीक ने धन्यवाद भाषण दिया।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर